भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 2085
उत्तर दिनांक 06/08/2026 को दिया गया

परमाणु ऊर्जा का विकास

2085. श्री महेंद्र भट्ट

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र के लक्ष्यों को प्राप्त करने में परमाणु ऊर्जा की भूमिका बढ़ रही है; और

(ख) यदि हाँ, तो नवीकरणीय ऊर्जा के साथ परमाणु ऊर्जा के संतुलित विकास हेतु सरकार की नीति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) व (ख) हां। परमाणु ऊर्जा 24 X 7 घंटे उपलब्ध मूल भार क्षमता का एक स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल स्रोत है। दीर्घकालिक ऊर्जा संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नाभिकीय ऊर्जा में अपार क्षमता है। इस प्रकार परमाणु ऊर्जा वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य (नेट जीरो) की दिशा में भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण ऊर्जा है। स्वच्छ ऊर्जा उद्देश्यों को पूरा करते हुए देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए बढ़ती हुई ऊर्जा आवश्यकताओं को नवीकरणीय, नाभिकीय आदि सहित स्वच्छ स्रोतों से पूरा किया जाना है। इस प्रकार, एक इष्टतम ऊर्जा मिश्रण संकल्पना प्रभावी स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में मदद करेगी। नाभिकीय ऊर्जा क्षमता संवर्धन में गति लाने के लिए दो-आयामी रणनीति अपनाई जा रही है:

i) बड़े रिएक्टरों की स्थापना जैसे 700 मेगावाट(वि) के स्वदेशी दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) और बड़ी क्षमता वाले आयातित रिएक्टर और तेजी से विस्तार के लिए ग्रीन फील्ड स्थलों पर प्रगत रिएक्टर डिजाइन; और

ii) सेवा समाप्त हो रहे जीवाश्म ईंधन-आधारित विद्युत संयंत्रों के पुन: प्रयोजन के लिए, ऊर्जा गहन उद्योगों के लिए स्वोत्पाद (कैप्टिव) संयंत्रों और दूर-दराज स्थानों के लिए ऑफ-ग्रिड अनुप्रयोगों के लिए पूर्व-विकसित (ब्राउन फील्ड) स्थलों पर 220 मेगावाट(वि) भारत लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (बीएसएमआर-200) और 55(वि) मेगावाट लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर-55) जैसे लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) का विकास और स्थापना।

*****